न्यूज डायरी

इससे चीनी आक्रामकता के पैटर्न की हुई पुष्टिः ट्रंप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। भारत–चीन सीमा विवाद मामले में अमेरिका ने खुले तौर पर भारत का समर्थन किया है। माइक पोम्पियो ने तो चीनी आक्रामकता का जवाब देने के लिए एशिया में न सिर्फ अपनी सेना की तैनाती बढ़ाने की चेतावनी दी है, बल्कि वहां कई सीनेटरों ने भारत के पक्ष में बिल प्रस्तुत किया है। इसी कड़ी में गुरुवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से सीमा विवाद को लेकर चीनी कम्युनिस्ट पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारत–चीन सीमा पर चीन का आक्रामक रुख दुनिया के अन्य हिस्सों में चीनी आक्रामकता के पैटर्न के साथ फिट बैठता है। ये कार्रवाई केवल चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की वास्तविक प्रकृति की पुष्टि करती है। वहीं, वाइट हाउस ने एक बयान जारी कर कहा कि भारत चीन तनाव पर हम करीबी नजर रखे हुए हैं। भारत और चीन दोनों ने ही इस स्थिति को शांत करने के लिए इच्छा व्यक्त की है।

पोल खुली तो पाकिस्तान बोला, एलओसी पर 20 हजार सैनिक तैनाती की खबर गलत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। अपने नापाक मंसूबों के बारे में भारत को पहले से पता चलने पर अब पाकिस्तान सफाई दे रहा है। पड़ोसी देश पाकिस्तान अब उन खबरों को गलत बता रहा है जिसमें गिलगित–बाल्टिस्तान में एलओसी के नजदीक 20 हजार सैनिक की तैनाती की खबर आई है। खबरों में यह भी था कि पाकिस्तान की चीनी सैनिक हैं, इससे भी पाकिस्तानी सेना ने इनकार किया है।
पाकिस्तानी सेनी की तरफ से आधिकारिक बयान जारी किया गया है। इसमें लिखा है, श्भारतीय मीडिया और सोशल मीडिया पर इस तरह के दावे हैं कि पाकिस्तान ने गिलगिट बाल्तिस्तान में पीओके के पास अतिरिक्त जवान भेजे हैं। ऐसा भी दावा है कि स्कार्दू एयरबेस को चीनी सैनिक इस्तेमाल कर रहे हैं। यह सब बातें फर्जी और सच से परे हैं। बयान में आगे कहा गया है कि इस तरह की कोई अतिरिक्त सेना वहां नहीं भेजी गई है। चीनी सेना की पाकिस्तान में मौजूदगी से भी इनकार किया गया है।

एशिया में चौतरफा घिरा चीन, साथ आए भारत–जापान और ऑस्ट्रेलिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत के साथ लद्दाख में सीमा पर तनाव बढ़ाना चीन को अब महंगा पड़ता दिखाई दे रहा है। अपनी दादागिरी और विस्तारवादी नीतियों के लिए कुख्यात चीन अब हिंद–प्रशांत क्षेत्र में घिरता जा रहा है। चीन के खिलाफ न केवल उसके पड़ोसी देश बल्कि हजारों किलोमीटर दूर स्थित देश भी खड़े हो गए हैं। भारत, जापान ऑस्ट्रेलिया, ताइवान और अमेरिका खुलकर चीन के खिलाफ हैं। शायद यही कारण है कि ड्रैगन को अब अपने कदम पीछे खींचना पड़ रहा है।
भारत के साथ लद्दाख में एलएसी पर 15 जुलाई के बाद से ही तनाव चरम पर है। गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हुई झड़प और ड्रैगन के विश्वासघाती रवैये को देखते हुए भारत कोई रिस्क नहीं लेना चाहता। इस कारण न केवल सीमा पर जवानों की तैनाती बढ़ा दी गई है। बल्कि, हिंद महासागर में भारतीय नौसेना ने पेट्रोलिंग तेज की है।

स्थागत नस्लवाद को दूर करने की आवश्यकता हैः प्रिंस हैरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी ने यहां एक समारोह के दौरान संस्थागत नस्लवाद को दूर करने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रिंस हैरी की दिवंगत मां एवं राजकुमारी डायना के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित 'डायना अवार्ड्स' समारोह में दिखाए गए वीडियो संदेश में ससेक्स के ड्यूक ने बुधवार को कहा, ''संस्थागत नस्लवाद का हमारे समाज में कोई स्थान नहीं है, लेकिन इसके बावजूद यह विद्यमान है।'' उन्होंने कहा, ''मेरी पत्नी ने हाल में कहा था कि हमारी पीढ़ी और हमसे पहले वाली पीढ़ी ने अतीत की गलतियों को सही करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए।''
राजकुमारी डायना का 1997 में पेरिस में एक कार हादसे में निधन हो गया था। उस समय हैरी 12 साल के थे। हैरी ने नस्लवाद एवं अन्याय के खिलाफ काम करने वाले युवाओं को समारोह में सम्मानित किया।

हॉन्ग कॉन्ग निवासियों को देगा नागरिकता यूके

फैसला

■चीनी कानून के खिलाफ ब्रिटेन सख्त

पीएम बोरिस जॉनसन ने कहा- चीन ने नए कानून के जरिए हॉन्ग कॉन्ग की स्वतंत्रता का उल्लंघन किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
लंदन। चीन के राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के जवाब में ब्रिटेन ने हॉन्ग कॉन्ग के नागरिकों को यूके की नागरिकता देने का फैसला किया है। यूके के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने हॉन्ग कॉन्ग में इस कानून के लागू होने के दिन यानी बुधवार को संसद में कहा कि हम अपने पुराने साथी के साथ नियमों और दायित्वों के लिए खड़े हैं। इस कानून के तहत 30 लाख हॉन्ग कॉन्ग निवासियों को ब्रिटेन में बसने का अवसर दिया जाएगा।
पीएम जॉनसन ने साधा चीन पर निशानाः जॉनसन ने कहा कि नए सुरक्षा कानून के जरिए हॉन्ग कॉन्ग की स्वतंत्रता का उल्लंघन किया जा रहा है। इससे प्रभावित लोगों को हम ब्रिटिश नेशनल ओवरसीज स्टेटस के जरिए ब्रिटिश नागरिकता देंगे। बता दें कि हॉन्ग कॉन्ग के लगभग 3 लाख 50 हजार लोगों को पहले ही ब्रिटिश नागरिकता प्राप्त है। जबकि, 26 लाख अन्य लोग भी इस कानून के तहत नागरिकता पाने के हकदार हैं।
1980 के दशक में ब्रिटेन ने दिया था दर्जाः ब्रिटेन ने ब्रिटिश नेशनल ओवरसीज पासपोर्ट धारकों को 1980 के दशक में विशेष दर्जा दिया था। लेकिन अभी उनके अधिकार सीमित हैं। ये लोग ब्रिटेन में 6 महीने तक बिना वीजा के आ सकते हैं। सरकार की योजनाओं के तहत सभी ब्रिटिश प्रवासी नागरिकों और उनके आश्रितों को यूके में रहने का अधिकार दिया जाएगा। इसमें उनके काम करने और पढ़ाई करने का अधिकार भी शामिल है।
कैसे ब्रिटेन के कब्जे में आया था हॉन्ग कॉन्गः 1942 में हुए प्रथम अफीम युद्ध में चीन को हराकर ब्रिटिश सेना ने पहली बार हॉन्ग कॉन्ग पर कब्जा जमा लिया था। बाद में हुए दूसरे अफीम युद्ध में चीन को ब्रिटेन के हाथों और हार का सामना करना पड़ा। इस क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए 1898 में ब्रिटेन ने चीन से कुछ अतिरिक्त इलाकों को 99 साल की लीज पर लिया था। ब्रिटिश शासन में हॉन्ग कॉन्ग ने तेजी से प्रगति की।
चीन को सौंपने की कहानीः 1982 में ब्रिटेन ने हॉन्ग कॉन्ग को चीन को सौंपने की कार्रवाई शुरू कर दी जो 1997 में जाकर पूरी हुई। चीन ने एक देश दो व्यवस्था के तहत हॉन्ग कॉन्ग को स्वायत्तता देने का वादा किया था। चीन ने कहा था कि हॉन्ग कॉन्ग को अगले 50 सालों तक विदेश और रक्षा मामलों को छोड़कर सभी तरह की आजादी हासिल होगी। बाद में चीन ने एक समझौते के तहत इसे विशेष प्रशासनिक क्षेत्र बना दिया।
चीन ने पहले भी ब्रिटेन को चेतावनी देते हुए कहा था कि उसने अगर हॉन्ग कॉन्ग के लिए अपनी पासपोर्ट नीति को वापस नहीं लिया तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। बता दें कि चीन ने हाल में ही हॉन्ग कॉन्ग के लिए नया सुरक्षा कानून पेश किया है जिसके विरोध में कई दिनों से विरोध प्रदर्शन जारी हैं। चीन ने कहा था कि ब्रिटेन को अपने औपनिवेशिक राज्य को छोड़ देना चाहिए।

नेपाली पीएम ओली को साथ पाकिस्तान, इमरान ने मांगा वक्त

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
काठमांडू। अपनी ही पार्टी में इस्तीफे को लेकर घिरे नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को अब पाकिस्तान का साथ मिला है। प्रधानमंत्री इमरान खान के ऑफिस ने भारत विरोधी रणनीति को साधने के लिए केपी शर्मा ओली से बातचीत के लिए समय मांगा है। इसमें कहा गया है कि इमरान खान पीएम ओली से फोन पर बातचीत करना चाहते हैं। बता दें कि केपी शर्मा ओली खुलेआम भारत के ऊपर अपनी सरकार को गिराने का आरोप लगा रहे हैं।
मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान को नेपाल की राजनीति में भारत के खिलाफ चाल चलने का मौका नजर आ रहा है। इसलिए पाकिस्तान नेपाल के साथ मिलकर भारत पर चौतरफा दबाव बनाने के लिए कूटनीतिक चाल चलने लगा है। बता दें कि पाकिस्तान ने चीन के कहने पर पहले ही अपने 20 हजार सैनिकों को गिलगित बाल्टिस्तान इलाके में एलओसी के नजदीक तैनात किया है।
बिना किसी सबूत के भारत पर इतने गंभीर आरोप लगाने के बाद अब ओली खुद ही अपनी पार्टी में घिर गए हैं। प्रचंड ने कहा कि भारत ने नहीं बल्कि उन्होंने ओली के इस्तीफे की मांग की है। प्रचंड ने कहा कि ओली न केवल प्रधानमंत्री के पद से बल्कि पार्टी अध्यक्ष के पद से भी इस्तीफा दें।

म्यांमार में धंसी खदान, 113 मजदूरों की मौत, कई दबे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) यंगून। म्यांमार के कचिन प्रांत में भारी बारिश के कारण गुरुवार सुबह जमीन धंस गई। इस हादस में 113 मजदूरों की मौत हो गई है जबकि कई अन्य मलबे में दबे हुए हैं। म्यांमार फायर ब्रिगेड ने जानकारी दी है कि अभी 113 शवों को मलबे से निकाला गया है जबकि अन्य की तलाश की जा रही है। सूचना मंत्रालय के एक स्थानीय अधिकारी टार लिन माउंग ने कहा कि अभी तक हमने 100 से अधिक शव बरामद किए हैं। अभी और शव कीचड़ में फंसे हुए हैं। मृतकों की संख्या बढ़ने वाली है। हादसे के प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि उन्होंने लोगों को मलबे के एक ढेर पर देखा जो ढहने के कगार पर था। थोड़ी ही देर बाद पहाड़ी से पूरा मलबा भरभराकर नीचे आ गिरा। जिसकी चपेट में आने से सैकड़ों लोग मारे गए।

नेपाल में सियासी हलचलः राष्ट्रपति से मिले ओली, प्रचंड ने भी की बैठक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्तीफा दे सकते हैं पीएम केपी शर्मा ओली

काठमांडू। सत्ताधारी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (छब्द) में मचे घमासान के बीच नेपाल की सियासत में अचानक हलचल बढ़ गई है। पार्टी के अंदर से ही बगावत के श्प्रचंडश तूफान का सामना कर रहे ओली ने गुरुवार दोपहर अचानक राष्ट्रपति से मुलाकात की। वह आज देश को भी संबोधित करने वाले हैं। इससे तमाम तरह की अटकलें शुरू हो गई हैं। माना जा रहा है कि वे आज प्रधानमंत्री पद से इस्तीफे का ऐलान कर सकते हैं। इस बीच पार्टी में बगावत का बिगुल फूंकने वाले पूर्व प्रधानंमत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेता पुष्प कमल दहल ने भी सुबह पार्टी नेताओं की बैठक की। नेपाल के अखबार श्काठमांडू पोस्टश के मुताबिक इसमें कुछ ओली के विश्वस्त भी मौजूद रहे।
ओली सरकार ने बजट सत्र रद्द किया: इस्तीफे की अटकलों के बीच नेपाली पीएम ओली ने अपने निवास पर कैबिनेट की एक इमरजेंसी बैठक की। जिसमें नो कॉन्फिडेंस मोशन से बचने के लिए संसद के बजट सत्र को विघटित किए बिना रद्द करने का फैसला किया गया। यह फैसला प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के ब्लूवाटर स्थित सरकारी आवास पर हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया। ओली को डर है कि अगर संसद का सत्र चला तो उनके ऊपर इस्तीफे को लेकर और दबाव बढ़ेगा।
दहल के निवास पर भी बैठकों का दौरः कम्युनिस्ट पार्टी के चेयरमैन और ओली के विरोधी पुष्प कमल दहल के निवास पर भी बैठकों का दौर जारी है। गुरुवार सुबह उनके घर पार्टी महासचिव बिष्णु पोडेल, उप प्रधान मंत्री ईशोर पोखरेल, विदेश मंत्री प्रदीप ग्यावली, शंकर पोखरेल, प्रधान मंत्री ओली के मुख्य सलाहकार बिष्णु रिमल और उप संसदीय दल के नेता सुभाष नेमबांग पहुंचे। सभी नेताओं ने प्रचंड से मुलाकात की।

ड्रग्स रिहैब सेंटर पर अंधाधुंध फायरिंग, 24 की मौत,कई घायल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मेक्सिको सिटी। कोरोना वायरस संक्रमण से जूझ रहे मेक्सिको में इरापुटाओ शहर में एक बंदूकधारी के अंधाधुंध फायरिंग में 24 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि इस गोलीबारी में कई अन्य लोग घायल हैं जिससे मृतकों की संख्या और बढ़ने का अनुमान है। घटना की सूचना पर मैक्सिको पुलिस और एटीट कमाडों फोर्स की टीम मौके पर पहुंची है। हालांकि हमलावर का पता नहीं चल सका है। इरापुटाओ शहर में एक महीने में फायरिंग की यह दूसरी घटना है। इससे पहले 6 जून को पुर्नवास केंद्र में बंदूकधारियों ने गोलियां चलाकर 10 लोगों का हत्या कर दी थी। वहीं राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए कार्रवाई की बात की है।
अधिकारियों के अनुसार, हमलावरों की संख्या एक से ज्यादा हो सकती है। उनको पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, उन्होंने पहले रिहैब सेंटर पर गोलियां चलाईं, फिर आग लगा दी। बताया जा रहा है कि यह घटना गुआनाजुआतो जलिस्को कार्टेल और एक स्थानीय गिरोह के बीच गैंगवार में हुई।